१०/१००

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
बाल सत्संग - १

(रविवार, ९ जुलाई, २०००) समय : सुबह ९:०० से ११:००

कुल अंक : १००

मोडरेशन कार्यालय के लिये	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
	१.	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	स्वच्छ अक्षर	
	कुल	

परीक्षार्थी क्रमांक ☐☐☐☐☐

शब्दों में...

केन्द्र क्रमांक ☐☐☐☐

केन्द्र का नाम ....

परीक्षार्थी की उम्र : .... **वर्ष**

वर्ग सुपरवाईजर के हस्ताक्षर : ....

सूचना :-

१. दायीँ ओर दिए गए अंक प्रश्न के पूर्णांक हैं ।

२. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

३. छेकछाक वाले उत्तर अमान्य होंगे ।

४. बढ़िया, सुंदर और स्वच्छ लिखावट के लिए पाँच गुणांक आरक्षित हैं।

परीक्षक के हस्ताक्षर : ....

प्र. १. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से योग्य शब्द का उपयोग कर के रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [१०]

१. *अयोध्या का ..... मंदिर घनश्याम को बहोत प्रिय था।*
(स्वामिनारायण, रामजी, राधाकृष्ण)

२. *रामनवमी अर्थात् ..... .*
(चैत्र कृष्ण नवमी, चैत्र शुक्ला नवमी, ज्येष्ठ शुक्ला नवमी)

३. *महाराज की अन्त्येष्ठि ..... में की गई। (गढडा, वडताल, छपैया)*

४. *मुक्तानंद स्वामी ने नीलकंठ का नाम ..... रखा।*
(सहजानंद, सरयूदास, नारायणमुनि)

५. *जूनागढ के भक्तों ने ..... पर महाराज की सवारी निकाली।*
(हाथी, घोडा, ऊँट)

६. *शिक्षापत्री ..... स्वामी ने लिखी। (शुकानंद, मुक्तानंद, सहजानंद)*

७. *मगनीराम ..... देश का ब्राह्मण था। (मारवाड, भारत, द्रविड)*

८. *संवत् ..... के कार्तिक शुक्ला एकादशी के पवित्र दिन को रामानंद स्वामी ने नीलकंठ को दीक्षा दी। (१८५७, १९५७, १७५७)*

९. *घनश्याम को मारने के लिए गया हुआ ..... मर गया।*
(कामीदत्त, काशीदत्त, कालीदत्त)

१०. *घनश्याम ..... के पास पढ़ते थे। (धर्मदेव, मार्कंडेय, रामप्रतापभाई)*

प्र. २. निम्नलिखित सही वाक्यों के सामने ✔ तथा गलत वाक्यों के सामने ✖ चिह्न कीजिए । [१०]

१. *पीपलाणा गाँव में रामानंद स्वामी का आश्रम था।* .....

२. *महाराज ने निम्न जाति (वाघरी) के लोगों को खुद परोसकर जिमाया।* .....

३. *प्याज खाने से बूरे विचार आते हैं?* .....

४. *अगर अच्छा बनना हो तो सिनेमा नहीं देखनी चाहिए।* .....

५. *जहाँ संशय वहाँ हरि नहीं, जहाँ हरि वहाँ संशय नहीं।* .....

६. *गुणातीतानंद स्वामी मूल अक्षर और भगवान पुरुषोत्तम नारायण श्रीजीमहाराज हैं।* .....

७. *महाराज गधे की घोडी बनाते हैं।* .....

८. *भगवान ही अंतिम ध्येय हैं।* .....

९. *महाराज का धाम अर्थात् गोलोक।* .....

१०. *वडताल मंदिर बनता था तब श्रीजीमहाराज सुबह-शाम नदी से एक पत्थर सिर पर उठाकर लाते थे।* .....

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **[१०]**

१. *''सालों से हम जिसका इन्तजार करते थे, वही यह वर्णीराज है।'' ऐसा रामानंद स्वामी ने किसे कहा ?*

.....

२. *सन्यासियों ने घनश्याम को नीलकंठ वर्णी क्यों कहा ?*

.....

३. *महंत ने वर्णी के चरण में मस्तक रखकर क्या कहा ?*

.....

४. *नीलकंठ ने अपने वाणी को क्या शाप दिया ?*

.....

५. *धर्मपिता ने घनश्याम की कसौटी करने के लिए क्या किया ?*

.....

६. *घनश्याम ने कितने साल की उम्र में सभा को जीता ?*

.....

७. *घनश्याम ने जब गृहत्याग किया, तब उसके पास क्या क्या था ?*

.....

८. *पट्टाभिषेक के समय सहजानंद स्वामी की उम्र कितनी थी ?*

.....

९. *महाराज ने गारावाले संतों को क्या कहा ?*

.....

१०. *महाराज की ज्योत आज किस के द्वारा प्रकाश दे रही है ?*

.....

प्र. ४. नीचे दिया प्रत्येक वाक्य कौन किस से कहते हैं यह लीखिए । (किन्हीं पाँच) [१०]

१. *''अब आप मालिक, मैं सेवक।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

२. *''इसमें तो बहुत कम घी है।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

३. *''आपकी तलवार ले लो।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

४. *''लडके को कुछ भी नहीं हुआ, अभी खड़ा हो जाएगा।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

५. *''भाई, जा, अब तेरे घर जा।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

६. *''हम जैसे साधु को ऐसा सिंहासन अच्छा नहीं लगता।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

७. *''देख ली, मेरी शक्ति।''*

कौन कहता है ? ..... किसे कहता है ? .....

प्र. ५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन पंक्तियों में दीजिए । (किन्हीं पाँच) [१०]

१. *भगवान का अनुभव किस प्रकार होता है ?*

.....

.....

.....

२. *अभ्यास में आलस्य दिखानेवाले बालक को प्रमखस्वामी महाराज ने क्या कहा ?*

.....

.....

.....

३. *समाधि में लोगों को कैसे दर्शन होते थे ?*

.....

.....

.....

४. *प्राणवल्लभ के देहत्याग का वर्णन कीजिए।*

.....

.....

.....

५. *सन्यासियों को नीलकंठ की निर्भयता के दर्शन कैसे हुए ?*

.....

.....

.....

६. *'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु...' इस श्लोक का अर्थ कीजिए।*

.....

.....

.....

७. *पट्टाभिषेक के समय रामानंद स्वामी ने संतों-हरिभक्तों को क्या कहा ?*

.....

.....

.....

प्र. ६. नीचे दिए किसी एक पाठ पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए । (दस पंक्तियों में) [१०]

१. शीतलदास को समाधि। २. हमारी शोभा बढी हुई है। ३. गुरु

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ७. विभाग 'ब' में से योग्य शब्द पसंद करके विभाग 'अ' के साथ जोडे । [५]

'अ'		'ब'
१. जंतरमंतर की शक्ति	.....	*१. घनश्याम*
२. सत्यं वद	.....	*२. पिबक*
३. सोनामहोर	.....	*३. शाह सौदागर*
४. चरणे शीश धर्याथी	.....	*४. सत्य बोलो*
५. सभा को जीता	.....	*५. दु:ख नाख्या तोडी।*

प्र. ८. नीचे दिए स्वामी की बातों की पूर्ति करें । [१०]

१. हम तो.....

.....

.....

२. हम भगवान के.....

.....

.....

३. *करोड काम* .....

.....

.....

४. *भ्रान्ति दूर करना* .....

.....

.....

५. *ऐसे साधु को* .....

.....

.....

प्र. ९. नीचे दिए गए कीर्तन/अष्टक/श्लोक की पाद - पूर्ति कीजिए । (किन्हीं पाँच) **[१०]**

१. *त्वमेव माता* .....

.....

..... *मम देव देव॥*

२. *नित्य नित्य* .....

.....

..... *दर्शन करशे*

३. *सातडे सात* .....

.....

..... *तू आ भव।*

४. *गुरुर्ब्रह्मा* .....

.....

..... *गुरवे नमः॥*

५. *जल्दी* .....

.....

..... *उठकर चरणे नमेंगे॥*

६. *अक्षरधाम के..*

..

.. बाल हम।

७. *एकडे एक...*

..

.. ले शरण।

प्र. १०. Ùè¿ ðे ðâ ðç ¶â è <u>एक</u> पाठ पर संक्षिप्त में लिखो । **[१०]**

१. *छडी सवारी में काकडी खाई।*

२. *अगर अच्छा बनना हो तो।*

३. *महाराज के साधु।*

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....